# रघुकुल के राजा | By Jasveer Singh

राम राम जय राजा राम
राम राम जय सीताराम

वन वन में घूमे है
कितनो को तारे है
रघुकुल के राजा
महलो में पधारे हैं

मर्यादा पुरुषोत्तम हम जिनको कहते हैं
हनुमान से सेवक के वो दिलो में रहते हैं

पत्थर की अहिल्या को चरणों से तार दिए
शबरी के झूठे फल को स्वीकार किये

केवट के गले लगकर गंगा को पार किया
वन में वानर सेना प्रभु ने तैय्यार किया

ये अवध धाम धरती सरयू अति पावन है
राम लला दर्शन वैभव मन भावन हैं

राम राम जय राजा राम
राम राम जय सीताराम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%98%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%b2-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%be-by-jasveer-singh/